RNI NO Title Code-UPHIN49594

हिन्दी दैनिक

नवयुग समाचार

बहराइच से प्रकाशित

एक सामाजिक दर्पण

वर्ष-3 अंक-274
बहराइच,मंगलवार
05 नवंबर 2024
पृष्ठ-4 मूल्य 2.00

लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, कानपुर, कन्नौज, फरुर्खाबाद, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, म.प्र., बिहार में प्रसारित

स्कूल बंद करने का फैसला, योगी सरकार गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा नहीं देना चाहती : प्रियंका गांधी वाड्रा

लखनऊ

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में 27,764 प्राइमरी और जूनियर स्कूलों के बंद होने की चर्चा पर योगी सरकार पर कड़ा हमला किया है। उन्होंने निर्णय को शिक्षा के क्षेत्र में असमानता बढ़ाने और दलित, पिछड़े, गरीब तथा वंचित तबकों के बच्चों के खिलाफ बताया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा, योगी सरकार ने 27,764 प्राइमरी और जूनियर स्कूलों को बंद करने का फैसला लिया है। यह कदम शिक्षा के साथ-साथ समाज के कमजोर वर्गों के खिलाफ है। यूपीए सरकार ने शिक्षा के अधिकार का कानून लाई थी, जिसके तहत हर एक किलोमीटर की परिधि में एक प्राइमरी स्कूल की व्यवस्था की गई थी, ताकि सभी तबके के बच्चों के लिए शिक्षा सुलभ हो सके। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं का उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना होता है। प्रियंका ने आरोप लगाया कि भाजपा नहीं चाहती कि कमजोर तबके के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके।

अल्मोड़ाः खाई में गिरी यात्रियों से खचाखच भरी बस, 20 की मौत?

अल्मोड़ा

उत्तराखंड में सोमवार सुबह बड़ा बस हादसा हुआ। अल्मोड़ा जिले में सल्ट तहसील के मारचूला स्थित कूपी गांव के पास रानीखेत जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिस खाई बस गिरी है, लगभग उसकी गहराई 100 मीटर से अधिक है। घटना में करीब 20 से अधिक लोगों के मौत की सूचना मिल रही है। बस में कुल 40 यात्री सवार थे। पुलिस, प्रशासन ने रेस्क्यू का काम तेज कर दिया है। रामनगर और अल्मोड़ा से एंबुलेंस मौके पर रवाना हो गई है। रामनगर और सुशीला तिवारी अस्पताल में घायलों के उपचार के लिए तैयारी की जा रही है। सोमवार की सुबह रामनगर से एक बस रानीखेत की ओर को जा रही थी। मारचुला के पास पहुंचने पर बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। रेस्क्यू कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे ने बताया एंबुलेंस भेज दी गयी है। एसडीएम व पुलिस के जवान मौके पर पहुंच गए हैं। राहत बचाव का तेजी से किया जा रहा है। पांच यात्रियों के मौत की सूचना आ रही है। रेस्क्यू के बाद ही सही आंकड़े आएंगे।

रायबरेली दौरे पर रहेंगे राहुल गांधी, विकास परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास

नई दिल्ली

यूपी में विधानसभा की 9 सीटों होने वाले उपचुनाव के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को रायबरेली का दौरा करेंगे। इस दौरे में राहुल गांधी कई महत्वपूर्ण बैठकों और उद्घाटन कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वह जिला समन्वय की बैठक और दिशा की बैठक में शामिल होंगे, जहां अमेठी के सांसद केएल शर्मा भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा राहुल रायबरेली के शहीद चौक का उद्घाटन करेंगे और कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे।

सांसद राहुल का यह दौरा सुबह 10:30 बजे फुरसतगंज एयरपोर्ट से शुरू होगा, जहां से वह सड़क मार्ग से डिग्री

कॉलेज चौराहा पहुंचेंगे और शहीद चौक का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह कलेक्ट्रेट परिसर स्थित बचत भवन में दिशा की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक का उद्देश्य विकास परियोजनाओं की समीक्षा और समन्वय में सुधार करना है।

राहुल गांधी का यह दौरा यूपी उपचुनाव के बीच हो रहा है, जिससे यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे उपचुनाव में प्रचार करेंगे। हालांकि कांग्रेस ने इस पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से जब कांग्रेस से सीट शेयरिंग पर पूछा तो उन्होंने पुष्टि की कि उनकी कांग्रेस नेताओं से बातचीत हुई थी। यह उपचुनाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि अखिलेश भी इस बार व्यक्तिगत रूप से प्रचार करने उतरने वाले हैं। आमतौर पर सपा के उम्मीदवार स्थानीय नेताओं के नेतृत्व में ही चुनावी मुकाबला करते रहे हैं, लेकिन इस बार अखिलेश खुद मैदान में होंगे। इस बदलाव को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन को मजबूत बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश और राहुल गांधी का एक साथ उपचुनाव में प्रचार करना कांग्रेस और सपा के गठबंधन को जनता के सामने एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश कर सकता है।

इंडिया गठबंधन के चलते दोनों पार्टियों का साथ आना, खासतौर पर यूपी जैसे बड़े राज्य में, विपक्ष को एक नई ऊर्जा दे सकता है। हालांकि, राहुल गांधी के प्रचार में शामिल होने की पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन इसे लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है। राहुल गांधी का रायबरेली दौरा सिर्फ एक विकास कार्यों की समीक्षा के लिए नहीं है बल्कि कांग्रेस के लिए यूपी में अपना आधार मजबूत करने की दिशा में एक कदम भी माना जा रहा है। यह दौरा कांग्रेस कार्यकताओं को उत्साह और नई दिशा देने का अवसर है, खास कर तब जब यूपी उपचुनाव में पार्टी की स्थिति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उनके दौरे से जहां रायबरेली में कांग्रेस की सक्रियता दिखाई देगी, वहीं उपचुनाव में उनकी उपस्थिति या प्रचार की संभावना विपक्षी गठबंधन के बीच नए समीकरण बनाने में मददगार साबित हो सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में देखना होगा कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव एक साथ प्रचार अभियान में उतरते हैं या नहीं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे की भूमिका ने कई नेताओं की बढ़ाई मुश्किलें

मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव इस बार काफी कांटेदार होने वाले हैं। सभी सियासी दल अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इस सियासी संग्राम में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे भी कूद पड़े हैं। इस बार राज ठाकरे की पार्टी 25 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इस तरह राज महायुति गठबंधन का खेल बिगाड़ सकते हैं। असल में राज ठाकरे की पार्टी करीब 36 विधानसभा सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाने की स्थिति में है। ऐसे में भाजपा, शिंदे सेना और एनसीपी के लिए मुकाबला काफी कड़ा रहने वाला है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि मनसे की तरफ किसी भी तरह का वोट शिफ्ट हुआ तो महायुति और एमवीए दोनों का खेल खराब हो सकता है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव 20 नवंबर को होने वाले हैं। 288 सीटों वाले चुनाव की मतगणना 23 नवंबर को होगी। बता दें कि इसी साल हुए लोकसभा चुनाव में मनसे ने हिस्सा नहीं लिया था और उसने एनडीए को सपोर्ट किया था।

शिंदे सेना के खिलाफ मनसे ने 12 उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं, भाजपा के खिलाफ इसके 10 कैंडिडेट्स हैं।

छठ पूजा नहाय-खाय के साथ आज से होगी शुरू, प्रशासन ने की सभी तैयारियां पूरी

-गंगा और सहायक नदियों के करीब 550 घाटों पर श्रद्धालु करेंगे पूजा

पटना

चार दिवसीय छठ महापर्व मंगलवार को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। बुधवार को खरना अनुष्ठान होगा, गुरुवार शाम को पहला अर्घ्य और शुक्रवार सुबह अंतिम अर्घ्य देने के बाद यह पर्व संपन्न हो जाएगा। छठ पूजा पर पटना के घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है और इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी की हैं। इस बार गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से कुछ चुनौतियां आई, लेकिन जिला प्रशासन ने सभी घाटों को पूरी तरह से तैयार किया है।

पटना में गंगा और सहायक नदियों के करीब 550 घाटों पर श्रद्धालु छठ पूजा करते हैं। पटना नगर निगम ने 102 गंगा घाटों पर छठ पूजा की व्यवस्था की है। इसके अलावा, 45 पार्क और 63 तालाबों पर भी छठ पूजा की जाएगी। सभी घाटों और तालाबों पर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अधिकारी तैयारियों पर नजर रख रहे हैं।

निगम ने 512 अस्थायी शौचालय, 450 अस्थायी यूरिनल और पीने के पानी के लिए 185 नल लगाए हैं। इसके साथ ही 50 पानी के

टैंकर और 37 चापाकल उपलब्ध कराए हैं। 355 अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए हैं और 154 वाच टावर सुरक्षा निगरानी के लिए लगाए गए हैं। 97 मुख्य और 13 सहायक नियंत्रण कक्ष और 14 यात्री शेड स्थापित किए हैं।

छठ पूजा के दौरान सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। 333 गोताखोर, 306 नाव एवं सिविल डिफेंस के 168 वालंटियर भी तैनात रहेंगे। डीएम पटना ने निर्देश दिया है कि किसी भी प्रकार की नाव का संचालन नहीं होगा, चाहे वह प्रचार-प्रसार के लिए हो या मनोरंजन के लिए। नाव संचालन पर पूरी तरह से प्रतिबंध है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नदी में लगातार रिवर पेट्रोलिंग की व्यवस्था भी की है।

देश की आर्थिक स्थिति बहुत खराब, पीएम मोदी जनता को बरगला रहेः खड़गे

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर हमला बोला उन्होंने कहा कि इस सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को हर स्तर पर गिरा दिया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी आंकड़ों में फजीवाड़ा कर देश की जनता को बरगला रहे हैं, जबकि वास्तविकता में आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है।

खड़गे ने आगे कहा कि नरेंद्र मोदी जी, नकली आख्यान वास्तविक कल्याण का विकल्प नहीं हो सकते हैं। आम लोगों का पैसा लूटकर आपने जो आर्थिक उथल-पुथल पैदा की है, उससे त्यौहारी खुशियां भी कम हुई हैं।

उच्च मुद्रास्फीति से असमानता बढ़ी है, निवेश में कमी आई है और अर्थव्यवस्था स्थिरता के संकट से जूझ रही है। आपकी सरकार ने गरीबों और मध्यम वर्ग पर महंगाई का बोझ डालकर और बिना सोचे-समझे कराधान के जरिए से उनकी बचत को खत्म कर दिया है।

खड़गे ने महंगाई को सबसे बड़ा मुद्दा बताया उन्होंने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति 9.2 फीसदी पर है। सब्जियों की मुद्रास्फीति अगस्त में 10.7 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 36 फीसदी पर पहुंच गई। एफएमसीजी सेक्टर की मांग में भारी गिरावट आई, जिसमें बिक्री वृद्धि एक साल में 10.1 फीसदी से घटकर केवल 2.8 फीसदी रह गई है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को लगाई फटकार, मांगा जवाब

आयोग ने 11 बजे के बाद दाखिल किए गए नामांकन पत्र किए थे खारिज

मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसमें उसने राज्य भर के उम्मीदवारों के नामांकन पत्र सुबह 11 बजे के बाद दाखिल करने पर उन्हें खारिज किया था। हाईकोर्ट ने सोमवार को भारतीय चुनाव आयोग से जानना चाहा कि उसने किस आधार पर महाराष्ट्र भर के विभिन्न उम्मीदवारों के नामांकन खारिज किए, जिन्होंने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए 30 अक्टूबर को सुबह 11 बजे के बाद अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

जस्टिस आरिफ डॉक्टर और जस्टिस सोमशेखर सुंदरसन की अवकाश पीठ ने चुनाव आयोग को राज्य भर के उन उम्मीदवारों की सूची पेश करने का भी आदेश दिया, जिनके नामांकन पत्र सुबह 11 बजे के बाद दाखिल करने पर खारिज कर दिए गए। गौरतलब है कि 30 अक्टूबर नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख थी। वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के उम्मीदवार ने बांद्रा पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से अपने नामांकन पत्र को रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) द्वारा इस आधार पर खारिज किए जाने के बाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था कि वे सुबह 11 बजे के बाद दाखिल किए गए थे।

सुबह 11 बजे की समय सीमा कैसे मिली

उम्मीदवार ने तर्क दिया कि चुनाव आयोग केवल इसलिए नामांकन पत्र खारिज नहीं कर सकता, क्योंकि वह सुबह 11 बजे के बाद दाखिल किए गए थे। उम्मीदवार ने तर्क दिया कि नामांकन पत्र कार्य समय अवधि के भीतर स्वीकार किए जाने चाहिए। 11 बजे की समय सीमा तय करने का कोई आधार नहीं है। अपने बचाव में चुनाव आयोग ने एडवोकेट अक्षय शिंदे के माध्यम से बताया कि चुनाव आयुक्त द्वारा सुबह 11 बजे से नामांकन पत्रों की जांच शुरू करने का स्थायी आदेश था। इस प्रकार, उसने उक्त समय-सीमा के बाद दाखिल किए गए पत्रों को खारिज कर दिया। मामले की सुनवाई करते हुए पीठ ने सुबह 11 बजे के बाद दाखिल किए गए हर नामांकन खारिज करने के आयोग के फैसले पर सवाल उठाया। जजों ने कहा कि हम जानना चाहते हैं कि आपको सुबह 11 बजे की समय सीमा कैसे मिली? समय सीमा 12 या 1 बजे जैसी क्यों नहीं हो सकती? कार्य समय 11 बजे से शुरू होता है तो उस समय सीमा को क्यों रखा जाए? शिंदे ने आगे स्पष्ट किया कि पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता ने आपराधिक पृष्ठभूमि और वित्तीय विवरण जैसी अपेक्षित जानकारी नहीं भरी थी। पीठ ने बताया कि यदि ऐसे भौतिक पहलुओं को नहीं भरा जाता है तो इसे बिल्कुल भी दाखिल नहीं किया गया माना जा सकता। इस बीच, अन्य उम्मीदवार, जिसका नामांकन पत्र भिवंडी निर्वाचन क्षेत्र ने इसी आधार पर खारिज कर दिया था, ने जजों के समक्ष अपना मामला रखा।

उन्होंने कहा कि वे मंगलवार को बांद्रा के साथ इस मामले की भी सुनवाई करेंगे।

दान की महिमा

संजय त्रिपाठी
प्रबंध संपादक
नवयुग समाचार (दैनिक)

दान की महिमा निराली है। जरूरतमंद के हाथ पसारने पर भी उसे दुत्कार देने की आदत भगवान को पसंद नहीं। परमार्थी जीव भगवान की पसंद सूची में हैं। भगवान विविध प्रकार से हमें परखते हैं। तुलसीदास को हनुमानजी ने कोढ़ी के रूप में पहली बार दर्शन दिया था। कण-कण में भगवान की बात कही जाती है। इसे सिर्फ जुमले या कहावत के रूप में नहीं देखना चाहिए। लोगों में एक आदत होती है किसी भी बात के लिए मना कर देने की। बेशक हममें मना करने की आदत होनी चाहिए लेकिन किस बात के लिए मना करने की आदत हो इसकी परख होनी चाहिए. हर बात के लिए ह्नाह्न कहने वाला बहुत ज्यादा नकारात्मक विचारों से भर जाता है। मना करिए ऐसी चीजों के लिए जो आपके और सामने वाले दोनों के लिए नुकसानदेह हो। देने वाला बड़ा होता है मांगने वाला तो हमेशा छोटा होता ही है। उसकी नजर झुकी रहती है आपके सामने, दया की याचना करता है आपसे बिलकुल वैसे ही जैसे हम ईश्वर के सामने कर रहे होते हैं।

अगर समर्थवान हैं तो याचक को कुछ न कुछ जरूर दान कर दें। इसका क्या लाभ हो सकता है आइए एक सुंदर कथा पढिते हैं .....

एक भिखारी सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। टोटके या अंधविश्वास के कारण भिक्षा मांगने के लिए निकलते समय भिखारी अपनी झोली खाली नहीं रखते। उसमें कुछ न कुछ जरूर रख लेते हैं। पूर्णिमा का दिन था। उस दिन लोग दान करते हैं। इसलिए भिखारी को विश्वास था कि आज ईश्वर की कृपा होगी और झोली शाम से पहले ही भर जाएगी। वह एक जगह खड़ा होकर भीख मांग रहा था। तभी उसे सामने से उस देश के नगरसेठ की सवारी आती दिखाई दी। सेठ पूर्णिमा को किया जाने वाला नियमित दान कर रहा था. भिखारी तो खुश हो गया। उसने सोचा, नगर सेठ के दर्शन और उनसे मिलने वाले दान से उसका कई दिनों का काम हो जाएगा। जैसे-जैसे सेठ की सवारी निकट आती गई,भिखारी की कल्पना और उत्तेजना भी बढ़ती गई। सेठ का रथ पास रूका और वह उतरकर उसके पास पहुंचे। अब तो भिखारी न जाने क्या-क्या पाने के सपने देखने लगा। लेकिन यह क्या,बजाय भिखारी को भीख देने के सेठ ने उलटे अपनी कीमती चादर उसके सामने फैला दी। सेठ ने भिखारी से ही कुछ दान मांग लिया। वह रोज लोगों के सामने झोली फैलाता है.आज उसके सामने किसी ने झोली फैला दी वह भी नगर के सबसे बड़े सेठ ने.भिखारी को समझ नहीं आ रहा था क्या करे। अभी वह सोच ही रहा था कि सेठ ने फिर से याचना की। भिखारी धर्मसंकट में था। कुछ न कुछ तो देना ही पड़ता।

कहां वह मोटा दान पाने की आस लगाए बैठा था, कहां अपने ही माल में से कुछ निकलने वाला था.उसका मन खट्टा हो गया। भिखारी ने निराश मन से अपनी झोली में हाथ डाला। हमेशा दूसरों से लेने वाला मन आज देने को राजी नहीं हो रहा था। हमेशा लेने की नीयत रखने वाला क्या देता। जैसे-तैसे करके उसने झोली से जौ के दो दाने निकाले और सेठ की चादर में डाल दिया। सेठ उसे लेकर मुस्कुराता हुआ चला गया। हालांकि उस दिन भिखारी को रोज से अधिक भीख मिली थी फिर भी उसने जौ के जो दो दाने अपने पास से गंवाए थे, उसका मलाल सारे दिन रहा। बार-बार यही ख्याल आता कि न जाने क्या हुआ सेठ को देने के बजाय लेकर ही चला गया।

आज सभी भिखारियों को दान दे रहे हैं वह उलटा ले रहा है। कैसा जमाना आ गया है। अच्छा हुआ मैंने जौ के दो ही दाने दिए। मुठ्ठीभर नहीं दिया। यही सब सोचता हुआ वह घर पहुंचा। शाम को जब उसने झोली पलटी तो आश्चर्य की सीमा न रही जो जो वह अपने साथ लेकर गया था उसके दो दाने सोने के हो गए थे।

जौ के दाने सोने के कैसे हो गए और हुए भी तो केवल दो ही दाने क्यों, पूरे ही हो जाते तो कंगाली मिट जाती। वह यह सोच ही रखा था कि उसका माथा ठनका। कहीं यह सेठ को दिए दो दानों का प्रभाव तो नहीं है।

भिखारी को समझ में आया कि यह दान की ही महिमा के कारण हुआ है।

वह पछताया कि काश! उस सेठ को और बहुत सारी जौ दे दी होती लेकिन नहीं दे सका क्योंकि देने की आदत जो नहीं थी।

हम ईश्वर से हमेशा पाने की इच्छा रखते हैं, क्या कभी सोचा है कि कुछ दिया भी जा सकता है। इंसान की क्या औकात कि वह ईश्वर को कुछ दे सके। यदि वह उस गरीब का कुछ भला कर दे जो ईश्वर का दंड झेलता कष्टमय जीवन बिता रहा है, वही ईश्वर को देना कहा जाता है।

देने से कोई छोटा नहीं होता। सुपात्र को देने की नीयत रखें। कुपात्र को दिया दान व्यर्थ जाता है जिनका पेट भरा है उनके मुंह में रसगुल्ले ठूंसने से बेहतर है भूखे को एक बिस्किट का पैकेट पकड़ा दें।

दान से आपके पूर्वजन्मों के दोष कटते हैं.जो ग्रह खराब हो उसका दान करने से उस ग्रह के दोष आपसे निकलते जाते हैं यदि आप परेशानियों से लगातार जूझ रहे हैं तो सेवा कीजिए जरूरतमंदों की धन का ही दान हो जरूरी नहीं। वाणी का दान भी सुंदर दान है किसी से मधुर वचन कहना वाणी दान कहलाता है बीमार की सेवा करना, रक्तदान, जलदान और अन्नदान सर्वश्रेष्ठ दान हैं। (संकलित)

समृद्धि के उजालों के बावजूद धनाढ्यों का पलायन क्यों?

-ललित गर्ग-

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने के साथ समृद्धि और संपन्नता के नये शिखरों पर आरोहण कर रहा है। भारत की आर्थिक प्रगति सकारात्मक दिशा में बढ़ रही है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, देश में सोने का भंडार नई ऊंचाई पर पहुंच गया है, दूसरी तरफ डीमैट खातों और स्टार्टअप की संख्या में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इन सकारात्मक दिशाओं एवं आर्थिक उजालों के बीच कुछ देश की सोचने वाली स्थितियां भी हमें आत्ममंथन को प्रेरित कर रही है। ऐसी ही एक सोचनीय एवं चिन्ताजनक स्थिति है कि देश की बढ़ती शोभा एवं सम्पन्नता के बावजूद अमीर व प्रतिभावान लोग देश छोड़कर क्यों जा रहे हैं? वर्ष 2023 में करीब इक्कावन सौ के लगभग करोड़पतियों ने देश छोड़ा और वर्ष 2024 में तैयालिस सौ करोड़पतियों के भारत से पलायन करने का अनुमान है। यह हमारी संपन्नता का ही क्षरण एवं हमारी आर्थिक विकासमूलक यात्रा पर एक बदनुमा दाग है। इन स्थितियों पर नियंत्रण जरूरी है और इसके लिये हमें अपनी कमियों के प्रति ज्यादा ईमानदार होना पड़ेगा।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। बुनियादी ढांचागत विकास को प्राथमिकता देने के लिये हमें मौजूदा सरकार की सराहना करनी ही चाहिए। आर्थिक वृद्धि को आवश्यक आधार प्रदान करने के साथ ही बुनियादी ढांचागत परियोजनाएं रोजगार सृजन के दृष्टिकोण से भी आवश्यक होती है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है, पूर्व सरकारें देश का सोना गिरवी रखती रही है, लेकिन मोदी सरकार देश का सोना विदेशों से स्वदेश लाने के अनूठे उपक्रम किये हैं, यही कारण है कि रिजर्व बैंक के पास सितंबर में सोने का भंडार 854.73 टन था। इसमें से 510.46 टन देश में है, बाकी 324.01 टन सोना विदेशी बैंकों में है। आरबीआई सोना खरीदने वाले पांच शीर्ष केंद्रीय बैंकों में से एक है। भारतीयों के पास घरों में 25 हजार टन से ज्यादा सोना है। यह स्वर्ण भंडार में पहले पायदान पर खड़े अमेरिका के 8, 965 टन से तीन गुना है।

भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 17 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। वर्ष 2024 में 3.18 करोड़ नए डीमैट खाते खोले गए।

पिछले वर्ष 3.10 करोड़ डीमैट खाते खोले गए थे। भारत दुनिया तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1, 40, 000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है। इस बार जनवरी से सितम्बर के बीच छह स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन गए। भारतीय तकनीकी स्टार्टअप ने 2024 की पहली छमाही में 4.1 अरब डॉलर की फडिंग जुटाई जो बीते वर्ष की इसी छमाही से 4 फीसदी ज्यादा है। फडिंग जुटाने में भारत का चौथा स्थान है। इन उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन ह्यहर हाथ को कामह्न का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्न का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने अनेक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये है। लेकिन श्रम शक्ति की ओर ज्यादा तवज्जों देने की जरूरत है। क्योंकि जीडीपी देश के आम नागरिकों की समृद्धि का पैमाना नहीं है। जिस पैमाने से देश के आम लोगों की समृद्धि मापी जाती है उसे प्रति व्यक्ति आय कहते हैं। इसमें दिहाड़ीदार मजदूर, कामकाजी लोग, महिलाओं की स्थिति से लेकर औद्योगिक घराने की कमाई तक सब शामिल रहते हैं। बहुत सारे लोग औसत से अधिक कमाते हैं और बहुत सारे लोग कम।

इस बार की दीपावली न केवल खुशी, बल्कि सभी के लिए प्रेरणा का अवसर बनी है, बाजार से समाज तक और उद्यमी से सरकार तक, सभी के लिये दीपावली समृद्धि का एक नया उजाला लेकर आयी। इस बार बाजार में कुल 4.25 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी का अनुमान है। देश के ज्यादातर उद्यमी खरीद-बिक्री के अपने लक्ष्य तक पहुंचे हैं। सरकार को फायदा है कि लगभग हर खरीद-बिक्री से उसे लाभ होना है। देश में खरीद-बिक्री का यह विस्तार निश्चित ही जहां भारत में नये आर्थिक कीर्तिमान का द्योतक हैं, वहीं गरीब को सक्षम बनाने का प्रेरक भी है। समाज का एक बड़ा वंचित हिस्सा है, जिसमें खरीदारी की ज्यादा ताकत नहीं है। वास्तव में, गरीबों को सक्षम बनाना, केवल सरकार ही नहीं, बल्कि बाजार की भी जिम्मेदारी है। आधुनिक दौर में सरकार लोगों को सीधे नकद देकर सक्षम बनाती है, तो बाजार को भी लोगों को सक्षम बनाने के बारे में सोचना चाहिए। उद्यमी जो पूंजी अर्जित कर रहे हैं, उसे कहीं जमा करने या सिर्फ अपना उपभोग बढ़ाने के बजाय निवेश में लगाएं। निवेश से रोजगार और काम पैदा हो, यह ज्यादा जरूरी है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। ऐसे क्या कारण है कि लोगों को देश की बजाय विदेश की धरती रहने, जीने, व्यापार करने, शिक्षा एवं रोजगार के लिये अधिक सुविधाजनक लगती है, नये बनते भारत के लिये यह चिन्तन-मंथन का कारण बनना चाहिए। हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, उच्च निवल मूल्य वाली व्यक्तिगत आबादी के 2031 तक 80 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान है, जो इस अवधि के दौरान भारत को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते धन बाजारों में से एक के रूप में स्थापित करता है। यह वृद्धि मुख्य रूप से देश के भीतर संपन्न वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों द्वारा संचालित होगी। इसमें समृद्ध व्यक्तियों के भारत लौटने की प्रवृत्ति को भी देखा जा रहा है, और जैसे-जैसे जीवन स्तर में सुधार जारी है, यह अधिक संख्या में धनवान व्यक्तियों के भारत वापस आने का अनुमान लगाता है। लेकिन प्रश्न है कि भारत के करोड़पति आखिर नये बनते भारत एवं उसकी चिकित्सा, शिक्षा, आर्थिक, राजनीतिक, प्रशासनिक उज्ज्वलता के बावजूद क्यों विदेश जा रहे हैं? हाई नेटवर्थ वाले (अति समृद्ध) हमारे देशवासियों के देश छोड़ कर कहीं और बसने की तैयारी की ताजा रिपोर्टें बहुत कुछ कहती है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है। क्या कारण है कि शस्य श्यामला भारत भूमि पर अपनी समृद्धि से विकास के नये क्षितिज उद्घाटित करने या अपनी प्रतिभा से देश को लाभान्वित करने की बजाय विदेश की धरती को लाभ पहुंचाते हैं। कारणों की लम्बी फहरिस्त में मूल है देश में अशांति, आतंक, जटिल कर-कानून व्यवस्था और हिंसा का ताण्डव होना? कारण है -शासन, सत्ता, संग्रह और पद के मद में चूर यह तीसरा राजनीतिक आदमी, जिसने जनतंत्र द्वारा प्राप्त अधिकारों का दुरुपयोग किया और जनतंत्र की रीढ़ को तोड़ दिया है। कृषि प्रधान देश को कुर्सी-प्रधान देश में बदल दिया है। सरकारें हैं-प्रशासन नहीं। कानून है--न्याय नहीं। साधन हैं-अवसर नहीं। भ्रष्टाचार की भीड़ में राष्ट्रीय चरित्र खो गया है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा।

छठ समाज को एक करने वाला व्रत है

डॉ. नन्दकिशोर साह

छठ पर्व सामाजिक समरसता का प्रतीक हैं

छठ धार्मिक ही नहीं बल्कि सामाजिक पर्व भी है, जो हमें एक-दूसरे के प्रति अपनत्व, प्रेम और स्नेह का संदेश देता है। आज की भागती-दौड़ती जिंदगी में भी लोग अपनी परंपरा को कायम रखें हैं। यह त्योहार हमें उमंग एवं उल्लास से भरकर अपनी संस्कृति से जोड़े रखता हैं। त्योहारों को मनाने से सांस्कृतिक- सामाजिक सद्भाव का वातावरण बनता है। प्राचीन काल से ही मनुष्यों ने पर्व को उत्सव मनाने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ही सहारा लिया है। हम सब जानते हैं कि सूरज से ही जीवन है। प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा भी सूरज ही करता है। इसलिए कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी एवं सप्तमी 4 दिनों

तक लगातार चलने वाला छठ पर्व भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी काफी धूमधाम से मनाया जाता है। छठ पूजा का उद्देश्य जीवन में संतुलन लाना है। सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव जागृत करना है। सूर्य की ऊर्जा के बिना जीवन असंभव है। हमें प्रकृति के सभी तत्वों का सम्मान करना चाहिए। छठ व्रत से एकाग्रता, संयम और मन की स्थिरता बढ़ती है, जो आध्यात्मिक जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण है। छठ पूजा, एक प्रमुख हिंदू त्योहार है, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड,उत्तर प्रदेश और आसपास के राज्यों व नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व सूर्य देवता और छठी माई की पूजा के लिए समर्पित है। लगभग सभी सभ्यताओं में सूर्य को भगवान मानकर पूजा की जाती है, लेकिन बिहार में इसका एक अनूठा रूप है। छठ पूजा एकमात्र ऐसा अवसर है, जहाँ उगते सूरज के साथ डूबते सूरज की भी पूजा की जाती है। वे प्रत्यक्ष रूप से देवता है। सूरज का समय अटल है। यह हमारे भारतीय समाज का आशावादी विश्वास है।

छठ पूजा करने के लिए व्रती को कड़े नियमों का पालन करना होता है। छठ पूजा के दौरान साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। लोग इधर-उधर कूड़ा कचरा नहीं फेंकते हैं। अपने-अपने घर आंगन के अलावे सामूहिक रूप से सड़क की भी साफ-सफाई करते है। ये हमारी संस्कृति है। स्वच्छता का प्रतीक है।

छठ की शुरूआत नहाय-खाय से होती है। इस दिन स्नान कर साफ कपड़े पहनकर ही सात्विक भोजन ग्रहण किया जाता है। भोजन में लहसुन और प्याज का प्रयोग नहीं किया जाता है। इसलिए छठ के पहले दिन से घर में तामसिक भोजन बंद हो जाता है। मीट, मछली, अंडा और शराब इत्यादि का सेवन व्रत से कुछ दिन पूर्व से ही बंद कर दिया जाता है। नहाय-खाय के दिन सुविधा अनुसार बासमती या अरवा चावल, अरहर की दाल और लौकी की सब्जी बनाकर खाते हैं। इसके अगले दिन खरना होता है। खरना वाले दिन गुड़ और चावल की खीर बनती है। महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं और ये व्रत सूर्योदय से शुरू होकर सूर्यास्त तक रखा जाता है। रात्रि में प्रसाद ग्रहण करने के बाद अगले दिन निखंड को व्रती महिलाएं पूरा दिन और पूरी रात निर्जला 36 घटें का उपवास करती हैं। मिट्टी के चूल्हा पर आम के लकड़ी से बने हुए पकवान ठेकुआ, फल आदि से डूबते हुए सूरज को अध्य देती हैं और सुबह में उदयमान सूरज को अध्य अर्पित करके पारण करती है। कुछ महिलाएं जल में घंटों खड़ी होकर अपने पुत्र परिवार की कुशलता के लिए कठोर साधना करती है।

छठ पर्व में भारतीय जीवन दर्शन भी समाहित है। परिवारों की रोजी-रोटी भी चलती है। सभी वर्ग आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त होते हैं। इस पर्व में सभी जातियों का सहयोग लिया जाता है। डोम से दउरा- सुपली, ग्वाला से दूध, माली से पान-फूल, कुम्हार से मिट्टी के बर्तन आदि लेकर पूजा में शामिल किया जाता है। इसमें गन्ना, अदरक, नींबू, नारियल, लौंग, इलायची, मूली, मटर सहित कई फलों आदि से सूर्य को अर्क दिया जाता है। छठ समाज को एक करने वाला व्रत है।

सूरज सब से जुड़े हुए हैं इसलिए वह सबको जोड़ देते हैं। जाति-वर्ग, अमीर-गरीब, स्त्री-पुरुष सब मिलकर एक घाट पर एक साथ सूरज को प्रणाम करते हैं। यह सभी को जोड़ने वाला पर्व है। एक आदर्श पर्व है। अनुकरणीय पर्व है। बड़ा ही प्यारा और सुखद अनुभूति होती है। बिना सामूहिक हुए पर्वों का आनंद नहीं लिया जा सकता है। इसलिए परिवार से दूर रहने वाले सभी लोग अपने घर आ जाते हैं। बच्चे अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी सहित परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर खुशियां मानते हैं। इस दिन घर में तरह-तरह के पकवान बनता है। अपनी शक्ति और श्रद्धा के अनुसार गरीबों में मिठाइयां कपड़ा आदि बांटते हैं। सामूहिक रूप से पर्व मनाते हैं। छठ पर्व सामाजिक समरसता का प्रतीक हैं। विज्ञान आधारित हैं।

छठ पूजा साक्षात् देव सूर्य को अर्घ्य देने का व्रत

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

छठ पूजा प्रसिद्ध भारतीय व्रत त्यौहारों में से एक है जो बिहार और झारखंड,पूर्वी यूपी, मध्य प्रदेश,उत्तर प्रदेश, बैंगलोर, चंडीगढ़, गुजरात, बैंगलोर, छत्तीसगढ़ और नेपाल के क्षेत्रों सहित भारत के कई अन्य स्थानों में मनाया जाता है। यह विक्रम संवत के कार्तिक महीने में दीपावली के बाद आने वाली छठवें दिवस को मनाया जाता है। छठ पूजा, सूर्य देवता को समर्पित एक प्राचीन हिन्दू त्योहार है। यह त्योहार चार दिनों तक चलता है और कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से शुरू होकर कार्तिक शुक्ल सप्तमी को खत्म होता है। छठ पूजा को सूर्य षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। छठ पूजा सूर्य, प्रकृति, जल, वायु और उनकी बहन छठी मइया को समर्पित है ताकि उन्हें पृथ्वी पर जीवन की देवतायों को बहाल करने के लिए धन्यवाद, छठी मैया, जिसे मिथिला में रनबे माय भी कहा जाता हैं, भोजपुरी में सबिता माई और बंगाली में रनबे ठाकुर बुलाया जाता । है

शास्त्रों के मुताबिक, छठी मैया सूर्य देव की बहन है। यह व्रत सूर्य देव और उनकी पत्नी उषा की पूजा के लिए समर्पित है। छठ पूजा पृथ्वी पर जीवन का समर्थन करने के लिए भगवान को धन्यवाद देने और दिव्य सूर्य देव और उनकी पत्नी का आशीर्वाद लेने के लिए मनाया जाता है। हिंदू धर्म के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि सूर्य कई स्वास्थ्य स्थितियों को ठीक करता है और दीर्घायु, प्रगति, सकारात्मकता, समृद्धि और कल्याण प्रदान करता है। इसके अलावा, छठ का मुख्य दिन वास्तव में छठ पूजा का पहला नहीं बल्कि तीसरा दिन होता है। यह व्रत लोगों द्वारा कठोर दिनचर्या का पालन करते हुए मनाया जाता है जो चार दिनों तक चलता है, इस त्यौहार के अनुष्ठानों और परंपराओं में उपवास,उगते और डूबते सूर्य को प्रार्थना करना, पानी में खड़े होकर पवित्र स्नान और ध्यान करना शामिल है। छठ पूजा होली के बाद गर्मियों में भी मनाई जाती है, लेकिने कार्तिके महीने में मनाई जाने वाली छठ का अधिक महत्व है और लोग इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। हालाँकि, अपने गृहनगर से दूर रहने वाले लोग इस त्यौहार के दौरान बड़ी संख्या में यात्रा कर अपने गृह नगर पहुंचते हैं। छठ एक ऐसा व्रत त्यौहार है जो पवित्रता, भक्ति और सूर्य देव को प्रार्थना करने के बारे में है; इस त्यौहार की सटीक उत्पत्ति अस्पष्ट है लेकिन कुछ मान्यताएँ हैं जो हिंदू महाकाव्यों से जुड़ी हैं। रामायण और महाभारत दो महाकाव्य हैं जो छठ पूजा से जुड़े हैं। ऐसा माना जाता है कि छठ पूजा की शुरूआत भगवान राम से हुई थी। ऐसा कहा जाता है कि जब भगवान राम अयोध्या लौटे तो उन्होंने और उनकी पत्नी सीता ने सूर्य देव के सम्मान में व्रत रखा और इसे डूबते सूरज के साथ ही तोड़ा। यह एक ऐसा अनुष्ठान है जो बाद में छठ पूजा में विकसित हुआ।

महाभारत के कर्ण को सूर्य देव और कुंती की संतान माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि कर्ण आमतौर पर पानी में खड़े होकर प्रार्थना करते थे। हालाँकि, एक और कहानी है जिसमें बताया गया है कि कैसे द्रौपदी और पांडवों ने भी अपना राज्य वापस पाने के लिए इसी तरह की पूजा की थी। छठ पूजा आपके शरीर को डिटॉक्स करने का सबसे अच्छा तरीका है क्योंकि पानी में डुबकी लगाने और शरीर को सूरज के संपर्क में लाने से सौर जैव विद्युत का प्रवाह बढ़ता है जो मानव शरीर की कार्यक्षमता में सुधार करता है। यह भी कहा जाता है कि छठ पूजा हानिकारक बैक्टीरिया को मारने में मदद करती है और शरीर को आने वाले सर्दियों के मौसम के लिए तैयार करती है।

छठ चार दिवसीय व्रत त्यौहार है। नीचे छठ पूजा में शामिल अनुष्ठानों की इस वर्ष की सूची दी गई है,नहाय खाय -05नवंबर 2024 खरना -06 नवंबर 2024शाम का अर्घ्य -07 नवंबर सुबह का अर्घ्य -08 नवंबर। पहला दिन - नहाय खाय :- छठ पूजा के पहले दिन भक्तगण कोसी, गंगा और करनाली नदी में डुबकी लगाते हैं, और फिर पवित्र डुबकी लगाने के बाद भक्त प्रसाद तैयार करने के लिए पवित्र जल घर ले जाते हैं। यह छठ पूजा के पहले दिन की सबसे महत्वपूर्ण रस्मों में से एक है। दूसरा दिन -`` लोहंडा या खरनाः छठ पूजा के दूसरे दिन भक्त पूरे दिन उपवास रखते हैं और सूर्यास्त के कुछ देर बाद उपवास समाप्त करते हैं। छठ पूजा का दूसरा महत्वपूर्ण अनुष्ठान सूर्य की पूजा करने के बाद भक्त परिवार के लिए खीर, केले और चावल जैसे प्रसाद तैयार करते हैं। प्रसाद खाने के बाद व्यक्ति को छत्तीस घंटे तक बिना पानी के उपवास करना पड़ता है। तीसरा दिन-संध्या अर्घ्य (शाम का प्रसाद) :- छठ पूजा के तीसरे दिन भी निर्जला व्रत रखा जाता है और पूरे दिन पूजा का प्रसाद तैयार किया जाता है। प्रसाद को बाद में बांस की थाली में रखा जाता है। प्रसाद में ठेकुआ, नारियल, केला और अन्य मौसमी फल शामिल होते हैं। तीसरे दिन की शाम की रस्में नदी, तालाब या किसी स्वच्छ जल निकाय के किनारे होती हैं। सभी भक्त डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। चौथे और अंतिम दिन - सुबह का अर्घ्य : -अंतिम दिवस को बिहनिया अर्घ्य दिया जाता है छठ पूजा के आखिरी दिन, भक्त फिर से नदी या किसी जल निकाय के किनारे इकट्ठा होते हैं और फिर उगते सूर्य को प्रार्थना और प्रसाद चढ़ाते हैं। अर्घ्य देने के बाद भक्त अदरक और चीनी (गुड़) या इक्कीस नग कच्चे चने खाकर अपना उपवास तोड़ते हैं। इन सभी छठ पूजा अनुष्ठानों के बाद यह अद्भुत व्रत त्योहार समाप्त होता है।

एक नजर

जमीनी विवाद में भाई भाई में बगावत मारपीट

प्रशासन से हस्तक्षेप कर मामले के निस्तारण की मांग

नवयुग समाचार संवाददाता

बिल्हौर: मामला बिल्हौर थाना क्षेत्र के बिरहाना खंड बरौली का है जहां के रामकुमार कटियार ने बताया कि उन्होंने उपजिलाधिकारी बिल्हौर को प्रार्थना पत्र दिया था जिसके बाद लेखपाल ने जगह चिन्हित की जिसके बाद उन्होंने खेत में पिलर गड़वा दिए थे जिन्हें दूसरे पक्ष (बड़े भाई एवं भतीजों) ने उखाड़ दिए और उनके साथ मारपीट की। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को रफा दफा करने के प्रयास किया लेकिन बिना प्रशासन के हस्तक्षेप के और बिना बंटवारा कराए समस्या का हल संभव नहीं है। उन्होंने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

शिवचर्चा के प्रथम वर्षगांठ पर दूल्ही पोखरी भुईमाड़ मे भंडारा कल

बिहारी लाल गुप्ता की रिपोर्ट,

भुईमाड़। भुईमाड़ क्षेत्र में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दूल्ही पोखरी के पास स्थित शंकर जी के मंदिर में बुधवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। यह आयोजन श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक माना जा रहा है, जिसमें भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा है। इस शुभ अवसर पर दूल्ही पोखरी परिसर में विशेष पूजा और आरती का आयोजन होगा, जिसमें भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया जाएगा और उनकी कृपा के लिए प्रार्थना की जाएगी। यह भंडारा भुईमाड़ क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए मिलन और सौहार्द का अवसर प्रदान करेगा, भक्तगण ने सभी श्रद्धालुओं से इस महोत्सव में भाग लेकर भगवान शिव की असीम कृपा प्राप्त करने की अपील की है। कार्यक्रम में सुबह से शाम तक विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान होंगे और अंत में भंडारे का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी से शामिल होकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने की अपील किये हैं। इसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है, जो शिव भक्ति के इस पावन अवसर को और अधिक गरिमामय बनाएगा।

कुरारा पुलिस ने मारपीट करने का मुकदमा किया दर्ज

हमीरपुर ब्यूरो – कुरारा थाना क्षेत्र के कुसमरा गांव निवासी ग्रामीण ने गाली गलौज करने व मना करने पर मारपीट करने की तहरीर थाने में दी है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मारपीट करने का मुकदमा दर्ज किया है।क्षेत्र के कुसमरा गांव निवासी राहुल पुत्र सदाशिव ने थाने में तहरीर देकर बताया कि गांव निवासी जयप्रकाश व धर्मपाल पुत्रगण रामसेवक तथा राजकरन इसका पुत्र आस करन ने दो नवंबर को रात में दस बजे मेरे दरवाजे पर लाठी डंडे लेकर आए तथा गाली गलौज करने लगे जब मैने इनको गाली देने से मना किया तो सभी ने एक राय होकर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित ने बताया कि मारपीट में मेरे शरीर में चोट आई है।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चारो आरोपियों के खिलाफ मारपीट करने व गाली गलौज करने का मुकदमा दर्ज किया है।

अन्ना पशु आश्रय स्थल में संरक्षित अन्ना गोवंश की देखरेख न होने के कारण सड़क हादसे के हो रहे शिकार

हमीरपुर ब्यूरो- कुरारा विकास खंड क्षेत्र के डामर गांव स्थित अन्ना पशु आश्रय स्थल में संरक्षित अन्ना गोवंश की देखरेख न होने के कारण सड़क हादसे का शिकार हो रहे है। दो दिन बीत जाने के बाद भी ग्राम प्रधान व सचिव भी इन मृत गोवंश को हटवाए जाने का कार्य कर रहें है। ऐसे में सड़क में दुर्घटना का होने का अंदेशा बना रहता है।क्षेत्र के डामर गांव में स्थित अन्ना गौवंश पशु आश्रय स्थल में संरक्षित पशुओं की देखरेख ठीक से न होने के कारण गौशाला से निकल कर अन्ना पशु सड़क में हादसे का शिकार हो रहे है।दो दिन पूर्व एक अन्ना गाय दुर्घटना का शिकार हो गई तथा डिवाइडर के किनारे उसकीमौत हो गई। लेकिन आज तक ग्राम प्रधान व सचिव द्वारा मृत गोवंश को वहां से नही हटाया गया है। जिससे लोगो को दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है। गौशाला में गोवंश को खिलाने के लिए हरा चारा व भूसे की व्यवस्था सरकार द्वारा की गई है लेकिन गोवंश को सूखा भूसा भी उपलब्ध नहीं है। जिससे आए दिन पशुओं की मौत हो रही है। आज मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा गौशाला का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बांगरमऊ तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

रिपोर्ट मोहम्मद इरफान खान

उन्नाव।बांगरमऊ तहसील सभागार में तहसीलदार रामाश्रय और नायब तहसीलदार दीपक गौतम को अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में ग्राम अवैक निवासी लालता प्रसाद ने बताया कि पोस्ट ऑफिस के बचत खाते में उसने कुल साढ़े 31 हजार रुपए जमा किया लेकिन जब रूपए निकालने गया तो पता चला की खाते में सिर्फ साढ़े 11 हजार रुपए हैं। पीड़ित ने कार्यवाही की मांग की है। तहसीलदार में कार्यवाही का भरोसा जताया है। इसी क्रम में ग्राम बदलीपुरवा निवासी खुमान प्रसाद,मुन्नीलाल,उमाशंकर आदि ने जमीन की पैमाईश की मांग की है।तहसील दिवस में कुल 27 प्रार्थना पत्र आये जिसमे से 1' प्रार्थना पत्र का मौके पर निस्तारण कर दिया गया

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर मौदहा में 31 तो सरीला में 35 समस्याएं आईं

हमीरपुर ब्यूरो :

बीते शनिवार को छुट्टी के चलते सोमवार के दिन तहसील स्तर पर आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान सोमवार के दिन आयोजित किये गए।मौदहा में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने जन समस्याएं सुनीं तो सरीला तहसील में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) नागेंद्र नाथ व अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में समाधान दिवस सम्पन्न हुआ।इस मौके पर मौदहा में कुल 26 जन समस्याएं आईं जिनमें से ज्यादातर राजस्व सम्बन्धी थीं ,लेकिन एक भी समस्या का निस्तारण मौके पर नहीं हो सका।जिलाधिकारी मीणा ने सम्बंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस ,आईजीआरएस पोर्टल, मुख्यमंत्री संदर्भ,1076 से संदर्भित शिकायतों का निष्पक्षता पूर्वक एवं समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। कहा कि शिकायतों का निस्तारण 07 दिनों में अनिवार्य रूप से कर दिया जाए । शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए ताकि शिकायतकर्ता को बार-बार परेशान ना होना पड़े । कहा कि शिकायतों का ग्राउंड लेवल पर निस्तारण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाय। इस मौके पर ग्राम सिजनौड़ा के ग्रामीणों ने गांव के प्राथमिक विद्यालय में तैनात प्रधानाध्यापिका की शिकायत अपर जिलाधिकारी से करते हुए उन्हें विद्यालय से तत्काल हटाने की मांग की।

वहीं रबी सीजन की बुवाई को देखते हुए जिलाधिकारी ने जिले की सभी नहरो को पूर्ण क्षमता के साथ चालू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी नहरों की टेल तक पानी पहुंचाया जाए।कहा नलकूप विभाग ,विद्युत विभाग, सिंचाई विभाग व लघु डाल द्वारा आपस में समन्वय स्थापित करके कार्य किया जाए ताकि किसानों को लाभ मिल सके तथा उन्हें बुवाई आदि में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

इस दौरान सीडीओ चंद्र शेखर शुक्ला, प्रभागीय वनाधिकारी, एसडीएम व सीओ हमीरपुर तथा अन्य संबंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे । दूसरी तरफ सरीला में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 35 शिकायतें दर्ज की गई। जिसमें 5 शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ ,जिसमें जरिया गाँव के राधेश्याम, जलालपुर के गौरीशंकर ने नलकूप का ट्रांसफार्मर बलवाये जाने के संबंध में, धौहल बुजुर्ग के सुशील कुमार ने फसल बीमा न मिलने, गहुली के मुन्नालाल ने पुत्र के साथ हुई मारपीट के संबंध में,बंगरा गाँव के अहमद व जमीला ने बिल अधिक आने के संबंध में शिकायत की है।क्षेत्र के चन्दवारी डांडा गाँव के नरेंद्र राजपूत(13) पुत्र पूरन की बेतवा नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। दैवीय आपदा के तहत उपजिलाधिकारी ने उनके वारिस माँ मम्मू को चार लाख रुपये की सहायता धनराशि स्वीकृत की गई है। इस दौरान उपजिलाधिकारी विपिन कुमार शिवहरे, क्षेत्राधिकारी घनश्याम सिंह, तहसीलदार अनुभव चंद्रा व नायब तहसीलदार राम मोहन कुशवाहा सहित तहसील स्तरीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।कुल मिलाकर समस्याओं के निस्तारण का अनुपात देखा जाए तो वह बहुत ही कम रहा ,ऐसे में लोगों में समाधान दिवस के प्रति उदासीनता बढ़ती है।

गंगा उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत दीपदान, आरती व भजन संध्या का कार्यक्रम संपन्न

हमीरपुर 04 नवंबर 2024

आज यमुना किनारे गंगा उत्सव कार्यक्रम के तहत दीपदान, भजन संध्या व यमुना आरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक डा.मनोज प्रजापति रहे। जिनके द्वारा यमुना आरती की गई और यमुना तटबंध पर दीपदान किया गया। इस मौके पर पर्यावरण की थीम पर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें स्थान पाने वाले बच्चों को सदर विधायक ने शील्ड देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर यमुना तटबंध पर 5100 दीपों का जलाकर बंधे को रोशन किया गया। जिसके बाद यमुना आरती हुई। इस आरती में सदर विधायक के साथ राज्यसभा सदस्य बाबूराम निषाद के प्रतिनिधि अशोक तिवारी, जिलाधिकारी श्री घनश्याम मीना, सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला, एडीएम वित्त एवं राजस्व विजयशंकर तिवारी, एडीएम न्यायिक डा.नागेंद्रनाथ समेत अन्य लोग मौजूद रहे। यमुना आरती पं.बाबूप्रसाद अवस्थी के द्वारा संपन्न कराई गई। जिसमें शहर के लोगों ने भी प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर विधायक ने कहा कि पर्यावरण को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार लगातार अभियान चला रही है।

ताकि हमें शुद्ध पर्यावरण मिल सके। इसके लिए हम सभी को भी आगे आना होगा। वहीं जिलाधिकारी ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नदियों को शुद्ध रखने तथा पर्यावरण को बढ़ावा देने की अपील की। इस मौके पर नरेंद्रवीर सिंह चौहान एंड पार्टी की ओर से भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। जिसमें सुंदर भजनों के माध्यम से लोगों को ओतप्रोत किया गया। इस मौके पर स्थान पाने वाले बच्चों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन जलीस खान व आभार प्रभागीय वनाधिकारी अनिल श्रीवास्तव ने व्यक्त किया। इस मौके पर क्षेत्रीय वनाधिकारी अमित श्रीवास्तव, वन दारोगा अमर सिंह यादव, वृक्षमित्र राजेंद्रवीर सिंह चौहान, धर्मेंद्र बाजपेई समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पशु मालिक सड़कों पर छोड़ देते हैं अपने मवेशी

ब्यूरो चीफ हिमांशु सिंह राजपूत/नवयुग समाचार दमोह

दमोह/पटेरा शहर के कई लोग अपने यहां पल रही गायों को आए दिन सड़क पर छोड़ देते हैं जिसके कारण यह गायें सड़क पर बेसहारा घूमती रहती है। दूसरी ओर शहर के कुछ युवाओं को एक ग्रुप ऐसा है जो पिछले दो सालों से निस्वार्थ गो वंश की सेवा कर रहे है। नगर में सनातनी गो सेवक समिति नाम से बने इस ग्रुप के सेवक नगर व इसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में कहीं भी किसी गौ वंश के घायल व बीमार होने की सूचना मिलते ही तुरंत प्रभाव से पहुंच गो वंश की सेवा कर उन्हें उचित इलाज मुहैया कराते है। ग्रुप के सदस्य निश्शुल्क तौर पर गौ वंश की सेवा करते हैं, इसकी शुरूआत अक्षय प्रजापति, निखिल चौरसिया, बंटी सोनी ने की थी जिन्होंने बताया कि सनातन गौ सेवा ग्रुप का घायल गौवंश का इलाज कराते हुए युवा। नईदुनिया निर्माण किया। शुरूआत में ग्रुप में गिनती के सदस्य शामिल थे आज दो साल बीतने के बाद काफी सदस्य जुड़ चुके है, सनातन गौ सेवक ग्रुप गौ वंश के प्रति अपनी सेवा के जरिए शहरवासियों में एक मिसाल कायम कर चुका है।

उन्होंने कहा कि इसका निर्माण होने से लेकर अब तक सेवकों ने कुल लगभग एक से दो हजार गायों का निशुल्क इलाज व सेवा की है। प्रतिनिधि सेवक लगभग पांच से 10 गायों की सेवा करते है। सेवकों की ओर से गायों की सेवा व इलाज में होने वाले खर्चा स्वयं सेवकों की ओर से वहन किया जाता है। कई बार गायों को इलाज के लिए शहर के बाहर भी भेजना पड़ता है गौ वंश को इलाज के लिए बाहर भेजने व इलाज का समस्त खर्चा ग्रुप के सदस्यों की ओर से वहन किया जाता है। इसके बावजूद भी सेवकों ने गौ वंश की सेवा का जज्बा कम नहीं होने दिया। कुछ लोगों ने एक गाय के सींग में रस्सी बांध दी थी जिससे वह गाय गंभीर हो गई थी और उसके सींगों से खून निकलने लगा था जिसका हम लोगों ने उपचार किया।इस दौरान अक्षय प्रजापति, निखिल चौरसिया, सूर्याँश राठौर, बंटी सोनी, अंकित यादव, रक्कू पांडा, सौरभ विश्वकर्मा, गौरव विश्वकर्मा आदि की मौजूदगी रही।

दुष्कर्म के आरोपी बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण मे लिया गया

रिपोर्ट मोहम्मद इरफान खान

उन्नाव।पुलिस अधीक्षक जनपद उन्नाव के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बांगरमऊ पुलिस द्वारा दुष्कर्म के आरोपी बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया। आज दिनांक 04.11.2024 को उ0नि0 वीरेन्द्र विक्रम सिंह मय हमराह फोर्स (सादे वस्त्रों में) द्वारा थाना बांगरमऊ पर पंजीकृत मु0अ0सं0 345/24 धारा 333/70(2) BNS व 5/6 पाक्सो एक्ट व 3(2) V SC/ST Act से संबन्धित बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण मे लिया गया है तथा किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जा रहा है।

पत्रकारों के साथ मारपीट के मामले ने पकड़ा तूल,मांगो को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे पत्रकार

हमीरपुर। जनपद में विगत दिनों पत्रकारों को सत्ता पक्ष के चेयरमैन व उनके गुर्गों द्वारा बंधक बना ,निवस्त्र कर मारपीट करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।मामले को लेकर सोमवार को पत्रकार महासंघ के संयुक्त पत्रकारों ने एक जुट होकर जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए पीड़ित पत्रकारों को न्याय दिलाने के लिए मुख्यालय के कलेक्ट्रेट स्थित गोल चबुतरे पर अनशन पर बैठ गए ।इस दौरान पत्रकारों ने कहा कि बीते 27 अक्टूबर के रोज सरीला क्षेत्र के पत्रकार अमित द्विवेदी व पत्रकार शैलेन्द्र मिश्रा द्वारा नगरपंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करने के बावत खबरे प्रकाशित की थी जिससे बौखलाए सत्तापक्ष के चेयमैन पवन अनुरागी अपने सहयोगी गंगा प्रसाद,अखिलेश राजपूत ,विक्रम यादव,नरेंद्र विश्कर्मा, आर के सोनी,आकाश अनुरागी आदि द्वारा पत्रकारों को धोखे से बुलाकर अपने सहयोगी के घर मे बंधक बनाकर निर्वस्त्र करके अमानवीय व्यवहार के साथ मारपीट की व मल मूत्र पिला कर कुकृत्य किया ।पुलिस ने उक्त घटना में मामूली धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले को रफा-दफा करने का भरसक प्रयास किया है।जिसको लेकर जनपद के सभी पत्रकारों में भारी आक्रोश है।हालांकि पुलिस ने कुछ आरोपित व्यक्तियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है पर अन्य आरोपित व्यक्तियों व घटना को कारित करने वाले मुख्य आरोपी अभी भी खुले आम घूम रहे है।पत्रकारों ने घटना को लेकर आक्रोश व्यक्त करते हुए मांग की है कि पत्रकारों के खिलाफ लगे फर्जी मुकदमे को वापिस लिया जाय,आरोपित व्यक्तियों के विरुद्ध अपहरण कर बंधक बनाना, मूत्र पिलाना व असलहा लगाकर वीडियो बनाने जैसे कृत्यों पर पंजीकृत मुकदमे में धाराएं बढ़ाई जाय। गैंग बनाकर घटना को अंजाम देने पर गैंगेस्टर की कार्यवाही की जाय। घटना को छुपाकर आरोपियों का सहयोग करने वाले पुलिस कर्मियों पर भी कार्यवाही की जाय।थानाध्यक्ष एवं चौकी इंचार्ज को निलंबित किया जाय।पत्रकारों ने कहा कि जब तक मांगे पूरी नही होती तब तक पत्रकार महासंघ व सभी पत्रकारों का अनशन निरंतर जारी रहेगा।

मिशन शक्ति के अंतर्गत जनपद पुलिस की कार्यशाला

हमीरपुर ब्यूरो-

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा,सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे ह्यमिशन शक्ति के तहत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों पर तैनात महिला पुलिस कर्मियों व मिशन शक्ति टीम के द्वारा अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, धार्मिक स्थलों, तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन के सम्बन्ध में जागरुक कर चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना,उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पीएम स्वानिधि योजना,पीएम सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजनाओं सम्बन्धी जानकारी साझा की गई। इसी क्रम में बालिकाओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा, गुड टच व बैड टच तथा उनके अधिकारों व महिला सम्बन्धी अपराधों से बचाव हेतु जागरुक किया गया।महिलाओं व बालिकाओं को बताया गया कि बस,रास्तों,सार्वजनिक स्थल में मनचलों एवं शोहदों द्वारा छेडखानी की घटना होने पर डरने के बजाय तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 व थाना पर जाकर तत्काल एफआईआर के लिए जागरुक किया गया।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इन्स्टाग्राम आदि) का सावधानी से उपयोग करने एवं जागरुक करने हेतु संबंधित को आवश्यक आदेश एवं निदेर्शों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई ।महिला एवं बालिकाओं को यातायात नियमों के बारे में अवगत कराया गया व स्वयं नियमें का पालन करते हुए अपने घर व आसपास के लोगों का भी जागरुक करने के लिए कहा गया ।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन , 181 वीमेन हैल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा , 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा व 1930 साइवर हेल्पलाइन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई

डग्गामार वाहनों के हाईवे किनारे खड़े होने से सुमेरपुर में जाम की समस्या से लोग परेशान

हमीरपुर ब्यूरो-

कस्बा सुमेरपुर में जाम की समस्या से लोग बेहद परेशान है इससे निजात दिलाये जाने के लिये प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा पा रहा है। मेन बस स्टाप तिराहा अधिकांश जाम की चपेट में बना रहता है यहाँ दो पी.आर.डी जवान जो तैनात रहते है वह जाम की समाया से निजात नहीं दिला था रहे है।

सुमेरपुर में नेशनल हाईवे व बांदा राजमार्ग दोनो जाम के झाम में आए दिन फंसे रहते है। इन दोनो मार्गो पर रात दिन वाहनो के निकलने की भरमार बनी रहती है। सोमवार को करीब चार बजे मेन बस स्टाप के तिराहा के पास जाम लग गया और करीब एक घण्टा बाद खुल सका पहले फाफी देर पी.आर.डी जवान जाम खुलवाने का प्रयास करते रहे लेकिन कामयाब नही हुये बाद में और पुलिस दल आने के बाद ही जाम खुल सका लोगो का कहना है बस स्टैण्ड तिराहा में पुलिस और बढ़ाई जाए जिससे जाम का कारण बनने वाले डग्गामार वाहन हाईवे के दोनो किनारो पर खड़े न हो सके। डग्गामार वाहनो को कहीं अन्यत स्थान पर खड़ा कराने से ही जाम की समस्या से लोगो को कुछ राहत मिल सकती है अन्यथा जाम के झाम को कोई नही रोक सकता। चाहे नेशनल हाईवे हो या बांदा मार्ग दोनों ही जाम की समस्या से घिरे रहते है ऐसा कोई दिन नही रहता जब जाम न लगता हो। प्रशासन द्वारा जब तक अतिक्रमण व डग्गामार वाहनों के खिलाफ कोई कार्यवाही नही की जाती तब तक जाम से लोगो को निजात मिल पाना कठिन लगता है।

एक नजर

जनपद पंचायत बटियागढ़ की ग्राम पंचायत बेलखेड़ी फर्जी कार्यों पर राशि निकाली गई

ब्यूरो चीफ हिमांशु सिंह राजपूत/नवयुग समाचार दमोह

दमोह के बटियागढ की ग्राम पंचायत बेलखेड़ी में (1) सुदामा के घर से मंडी रोड की और दिनांक 27-01-2024 को सीसी स्वीकृत हुई जिसकी लागत करीब 5 लाख रुपए थी स्वीकृत राशि निकाल ली गई है लेकिन वहां पर सीसी रोड नहीं बनाई गई है (2) पूरन के घर से हाकम

के घर की और 15 वें वित से 161000 की राशि जून 2024 में निकाली गई लेकिन काम कोई भी नहीं हुआ है

(3) इसी प्रकार सज्जू उदेनिया के घर से नाले की और 2021 में 15 वें वित से नाली स्वीकृत हुई थी जिस पर 26 लाख रुपए ब्यय हो चुका है जबकि ग्रामीण संतराम सिंह मंगल कुशवाह देवेंद्र सिंह ने बताया कि यह नाली सड़क विभाग के द्वारा ग्रामीणों के कहने पर बनाई गई थी लेकिन राशि पंचायत के द्वारा निकाल ली गई सरपंच सचिव के द्वारा निकाली गई (4) 2022 में हज्जू पटेल के घर से नाले की और नाली स्वीकृत हुई 298000 की राशि निकाली गई लेकिन धरातल पर कोई काम नहीं हुआ (5) 2019 में सुबई पटेल के खेत के पास प्रधानमंत्री खनिज योजना के अंतर्गत 14 लाख 99 हजार की पुलिया निर्माण के लिए राशि स्वीकृत हुई बाद में 2021 में जन भागीदारी योजना के अंतर्गत 15 लाख रुपए की पुलिया स्वीकृत हुई चू किसुवई पटेल एवं नोना अहिरवार के खेत अगल-बगल में है इस प्रकार से एक पुलिया का निर्माण हुआ एवं राशि दो बार निकल गई इसी प्रकार मनरेगा के कार्य में बोल्डर वाल खाखरी का जो निर्माण हुआ रमेश पटेल के खेत से हेमराज के खेत की और एवं मस्जिद से भागचंद के खेत की और जो बोल्डर वाल बनवाई गई है वह सिर्फ कागज पर बनी है धरातल पर नहीं यहां पर पूर्व सरपंच और वर्तमान सरपंच एक ही है इनके द्वारा बड़े रूप में भ्रष्टाचार होना प्रतीत हो रहा है तथा जिला सीओ महोदय से निवेदन है संपूर्ण जांच कर दो सीमा पर कार्यवाही की जाए ग्रामीण देवेंद्र सिंह संतराम सिंह मंगल कुशवाह परसोत्तम सिंह बलराम सिंह आदि ने संपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की

सरई क्षेत्र मे मोबाइल,लैपटॉप की कम समय मे विश्वसनीय दुकान बना सत्यम मोबाइल केयर

बिहारी लाल गुप्ता की रिपोर्ट

सरई। सिंगरौली जिले के सरई बाजार मे स्थित सत्यम मोबाइल केयर सरई जो अपने ग्राहकों के बीच एक विश्वसनीय और उत्कृष्ट सेवा प्रदाता के रूप में स्थापित हो चुका है, मोबाइल रिपेयर और सेवा क्षेत्र में एक प्रमुख नाम है। यहां पर दूर दूर से लोग आते हैं। इस प्रतिष्ठान ने वर्षों से अपने गुणवत्ता, पारदर्शिता, और ग्राहकों के प्रति समर्पण से स्थानीय बाजार में एक अलग पहचान बनाई है। इनके यहां हर कंपनी के मोबाइल फोन,लैपटॉप, कूलर, फ्रीज उपलब्ध हैं,एवं मोबाइल रिपेयरिंग के सम्बंधित सभी प्रकार के कार्य किये जाते है, एवं अन्य समान भी उपलब्ध हैं इन्होंने एक बार सेवा का अवसर मांगा है। सत्यम मोबाइल केयर में अनुभवी और प्रशिक्षित तकनीशियनों का एक मजबूत दल है जो सभी प्रकार के स्मार्टफोन और मोबाइल उपकरणों के रखरखाव और मरम्मत में माहिर है। यह दुकान मोबाइल रिपेयरिंग, सॉफ़्टवेयर अपग्रेड, स्क्रीन बदलने से लेकर अन्य जटिल तकनीकी सेवाओं तक सभी जरूरतों का समाधान प्रदान करती है। यहां न केवल उच्च गुणवत्ता के पुर्जों का उपयोग किया जाता है बल्कि ग्राहक को पूरी प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता भी प्रदान की जाती है, जिससे ग्राहक को किसी भी प्रकार की असमंजसता का सामना न करना पड़े। ग्राहकों के बीच सत्यम मोबाइल केयर की लोकप्रियता का एक और कारण है यहां की उचित दरें और त्वरित सेवा। अपने मोबाइल से जुड़ी समस्या के समाधान के लिए ग्राहक यहां अपनी सुविधानुसार आसानी से आ सकते हैं, और उन्हें समयबद्ध तरीके से सेवा प्राप्त होती है। ग्राहकों की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले सत्यम मोबाइल केयर ने अपनी सेवाओं के जरिए विश्वास की एक नई मिसाल कायम की है। सत्यम मोबाइल केयर का लक्ष्य है कि हर ग्राहक को बेहतरीन सेवा प्रदान कर सके ताकि वे किसी भी तकनीकी समस्या का सामना बिना चिंता के कर सकें। बता दें कि सत्यम मोबाइल केयर सरई नवरात्रि से लेकर छोटी दीपावली एकादशी तक हर मे स्मार्टफोन लेने पर हर ग्राहकों को एक निश्चित उपहार दे रहा है।

पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निदेर्शानुसार जनपद के समस्थ थाना क्षेत्रों में चला सघन बैंक चेकिंग अभियान

मोहम्मद इरफान खान/नवयुग समाचार

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक उन्नाव दीपक भूकर के आदेशानुसार आज दिनांक 04.11.2024 को जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में स्थित समस्त बैंक शाखाओं में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान संबन्धित थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं बीट प्रभारी द्वारा अपने अपने क्षेत्रों में पड़ने वाली बैंक शाखाओं का निरीक्षण किया गया तथा बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड एवं शस्त्र, एटीएम सुरक्षा गार्ड आदि को चेक किया गया।

साथ ही बैंक प्रबंधकों को शाखा में पाई गई कमियों के संबंध में अवगत कराते हुए सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने तथा ग्राहकों के साथ नेट बैंकिंग के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए जन जागरूकता के संबंध में अवगत कराया गया। इस दौरान बैंक में अनावश्यक रूप से आने वाले व्यक्तियों से पूछताछ की गई।

बैंक में मौजूद सुरक्षा इंतजाम बैंक गेट पर लगी चेन, सुरक्षा गार्ड, मुख्य गेट या बैंक के अन्दर व बाहर लगे सीसीटीवी आदि चेक किया गया तथा बैंक के बाहर खड़े मिले वाहनों की भी चेकिंग की गई ।

गंभीर पर उठ रहे सवाल,ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

मुम्बई

भारतीय टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार से टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठने लगे हैं। गंभीर को अभी तीन माह पहले ही कोच बनाया गया था। उसके बाद से ही भारतीय टीम का प्रदर्शन कुछ विशेष नहीं रहा है। गंभीर को टीम चयन मामलों में भी पूरे अघिकार दिये गये थे उसके बाद भी वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। अब गंभीर की ऑस्ट्रेलिया दौरे में कड़ी परीक्षा होगी। वहीं अगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता तो गंभीर की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका से एकदिवसीय सीरीज हारी। इसके बाद अब उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का शिकार होना पड़ा है। इससे पहले भारतीय टीम कभी भी तीन या उससे अधिक मैचों की सीरीज में नहीं हारी है। हालांकि उनके बचाव में कहा जा रहा है कि टीम के साथ कोच

बोर्ड के इस अधिकारी ने कहा, ह्यदौरे के महत्व को देखते हुए मुख्य कोच को इसमें भाग लेने की अनुमति दी गई थी ह्न दिल्ली और केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र और एसआरएच के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को मुख्य कोच की मांग पर बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए शामिल किया गया है।

केवल योजना ही बना सकता है पर स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जानने के बाद भी मुंबई में पूरी तरह से स्पिनरों की सहायक पिच बनाने पर भी सवाल उठे हैं।

मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को नाइटवाचमैन के रूप में भेजने और पहली पारी में सरफराज खान को आठवें नंबर पर भेजने पर भी सवाल उठ रहे हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, ह्यगंभीर को ऐसा अधिकार दिया गया है जो इससे पहले कोच रहे रवि शास्त्री और राहुल द्रविड़ को नहीं मिला था। बीसीसीआई के नियम कोच को चयन समिति की बैठकों का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं देते हैं पर ऑस्ट्रेलिया दौरे की चयन बैठक के लिए गंभीर को अपने सुझाव देने का अवसर दिया गया।

बोर्ड के इस अधिकारी ने कहा, ह्यदौरे के महत्व को देखते हुए मुख्य कोच को इसमें भाग लेने की अनुमति दी गई थी ह्न दिल्ली और केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र और एसआरएच के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को मुख्य कोच की मांग पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए शामिल किया गया है।

बिल्हौर के पूरा गांव में उप जिलाधिकारी ने किया क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट, फसल उत्पादन का आकलन

संजय त्रिपाठी/नवयुग समाचार

बिल्हौर,4 सितंम्बर बिल्हौर थाना क्षेत्र के पूरा गांव में उप जिलाधिकारी रश्मि लांबा ने क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट किया। यह प्रयोग क्षेत्र में फसल उत्पादन का सही आकलन करने और समग्र उपज का विश्लेषण करने के उद्देश्य से किया गया। इस प्रक्रिया के माध्यम से कृषि उत्पादन के आंकड़े तैयार किए जाते हैं, जो कि क्षेत्रीय पैदावार के अनुमान और कृषि योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं।क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट के माध्यम से फसल की औसत पैदावार का आंकलन किया जाता है। इससे न केवल कृषि उत्पादन के सही आंकड़े मिलते हैं, बल्कि बीमा धारक किसानों को कम पैदावार के आधार पर मुआवजा भी सुनिश्चित किया जाता है। उप जिलाधिकारी रश्मि लांबा ने कहा कि यह प्रक्रिया बीमित किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि

इससे उन्हें उचित मुआवजा मिलने में सहायता मिलती है।इस प्रयोग से पूरे गांव की समग्र उपज का विश्लेषण करने में मदद मिलती है, जिससे सरकारी योजनाओं और नीतियों के तहत क्षेत्रीय स्तर पर सही आंकड़े जुटाए जा सकते हैं। उप जिलाधिकारी ने बताया कि क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट से प्राप्त आंकड़े भविष्य में कृषि विकास और किसानों के हित में निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होंगे।

महिला ने बलात्कार के मामले में पुलिस पर तहरीर बदलवाने का लगाया आरोप

कार्यवाही न होते देख सहायक पुलिस आयुक्त से लगाई न्याय की गुहार

बिल्हौर,4 नवम्बर।बिल्हौर सर्किल के थाना शिवराजपुर क्षेत्र में दीपावली के दिन एक महिला के साथ बलात्कार का मामला सामने आया है, जिसमें महिला ने पुलिस पर तहरीर बदलवाने व समझौते का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही न होते देख बिल्हौर सहायक पुलिस आयुक्त के समक्ष न्याय की गुहार लगाई है।पीड़िता ने जानकारी देते हुए बताया कि उसके पति बाहर नौकरी करते हैं, और वह अपने गांव के नए मकान में अकेली रहती है, जबकि पुराने मकान में उसकी सास रहती हैं। 31 अक्टूबर को दीपावली के दिन देर रात जब महिला घर पर पूजा कर आराम कर रही थी, तभी गांव के ही एक युवक ने छत के रास्ते से घर में घुसकर महिला पर हमला किया। महिला ने आरोप लगाया कि युवक ने कपड़े से उसका मुंह दबाकर उसके साथ बलात्कार किया। घटना के दौरान जैसे ही महिला को छोड़कर युवक भागा, उसने शोर मचाया, जिससे पड़ोस में मौजूद उसके चचिया ससुर व अन्य पड़ोसी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्हें आता देख आरोपी वहां से फरार हो गया। पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद उसने तुरंत थाना शिवराजपुर पहुंचकर मामले की शिकायत की लेकिन, महिला का आरोप है कि थाने में उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसकी बलात्कार की शिकायत को दरकिनार करते हुए छेड़छाड़ की मामूली तहरीर लिखवाई और मामले को वहीं निपटाने का दबाव बनाया। इस प्रकार की कार्रवाई से महिला को न्याय मिलने की उम्मीद टूटने लगी।थाने से निराश होकर महिला ने बिल्हौर सहायक पुलिस आयुक्त के कार्यालय पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई। पीड़िता ने सहायक पुलिस आयुक्त से निवेदन किया कि वे मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर उसके साथ न्याय सुनिश्चित करें और आरोपी के खिलाफ उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाएं। महिला ने आरोप लगाया कि शिवराजपुर थाना पुलिस ने उस पर तहरीर बदलने का दबाव बनाया और मामला दबाने की कोशिश की। इस मामले ने महिला सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।जहां एक तरफ पुलिस प्रशासन महिला सुरक्षा और जागरूकता के अभियान चला रहा है, वहीं दूसरी तरफ इस तरह की घटनाएं प्रशासन की छवि पर गहरा असर डाल रही हैं। महिला का कहना है कि अगर पुलिस ही इस तरह का व्यवहार करेगी तो महिलाओं की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित हो सकेगी? महिला के आरोपों के अनुसार, पुलिस की ओर से मामले को हल्के में लिया गया और उसे न्याय से वंचित करने की कोशिश की गई। पीड़िता ने मांग की है कि घटना की पूरी तरह से निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सोनामती महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय नदी दिवस, गंगा के संरक्षण पर जोर

संजय त्रिपाठी/नवयुग समाचार

बिल्हौर,4 नवम्बर। बिल्हौर के सोनामती महाविद्यालय में 4 नवम्बर को माँ गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित किए जाने की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ₹राष्ट्रीय नदी दिवस₹ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माँ गंगा के संरक्षण और हमारे जीवन में उसके महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर संगोष्ठी, चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों का भी आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अतुल दुबे, सह प्रमुख, गंगा समग्र, कानपुर प्रांत ने गंगा नदी के हमारे सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यावरणीय महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने गंगा और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। डॉ. अतुल दुबे ने छात्रों को जागरूक करते हुए कहा कि गंगा का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है।कार्यक्रम का संचालन शमीम ने किया, जबकि चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन दिव्या त्रिपाठी और मनोज कुमार ने किया।

महिला अधिवक्ता के साथ लूटपाट का प्रयास, दो आरोपी गिरफ्तार

संजय त्रिपाठी/नवयुग समाचार

बिल्हौर,4 नवम्बर। विधि व्यवसाय से जुड़ी महिला अधिवक्ता रजनी कटियार पर देर रात हमले और लूटपाट के प्रयास का मामला सामने आया है। 3 सितंबर की रात बिल्हौर से मल्लापुर स्थित अपने घर लौटते समय कुछ असामाजिक तत्वों ने उनकी गाड़ी पर अचानक हमला कर दिया। घटना के दौरान महिला अधिवक्ता की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि अन्य आरोपी भागने में सफल रहा।महिला अधिवक्ता रजनी कटियार ने बताया कि वह रात को बिल्हौर से मल्लापुर अपने घर जा रही थीं। रास्ते में बिल्हौर थाना क्षेत्र के ग्राम पूरा और पुखरायां, कानपुर देहात के निवासी दो युवकों ने उन पर हमला किया। हमलावरों में विकास पुत्र नरेश और शिवा पुत्र अज्ञात शामिल थे, जिन्होंने अचानक उनकी गाड़ी पर पत्थर चलाना शुरू कर दिया। इस हमले से उनकी गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद आरोपियों ने गाड़ी रोककर लूटपाट की कोशिश की।महिला अधिवक्ता की मदद के लिए आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया और एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मौके पर मौजूद

लोगों की तत्परता से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दूसरा आरोपी भागने में कामयाब हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी विकास व शिवा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और दोनों आरोपितों विकाश व शिवा को गिरफ्तार कर लिया है।थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि महिला अधिवक्ता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिन्हें जेल भेज दिया गया है।

अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ का जिलास्तरीय भव्य आयोजन

नवयुग समाचार संवाददाता

चौबेपुरः आज 5 नवंबर मंगलवार समय दोपहर 12 बजे से कल 6 नवंबर बुधवार दोपहर 12 बजे तक तक २४ घंटे अनवरत चल रहे अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ में आप सभी का आपका हार्दिक स्वागत है। भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा तहसील बिल्हौर के ब्लॉक चौबेपुर के बेला रोड स्थित कन्हैया पार्टी लॉन में अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ का जिलास्तरीय भव्य आयोजन कराया जा रहा है जिसमें उपस्थित होने एवं जगदम्बे मैया की कृपा पाने के लिए संगठन के पदाधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय जनमानस को आमंत्रित किया गया है। संगठन के तहसील अध्यक्ष संजय त्रिपाठी ने बताया कि संगठन का लक्ष्य धर्म राष्ट्र व मानवता की सेवा करना है। लोगों को सनातन धर्म की मयार्दाओं से जोड़ना है। क्षेत्र को नशामुक्त मांसाहारमुक्त चरित्रवान एवं संस्कारवान जीवन जीने के लिए प्रेरित करना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

गले में टॉफी फंसने से कानपुर में बच्चे की मौत के बाद बेहाल मां की भी हालत खराब

फ्रूटोला नाम की किंडरज्वॉय की तरह बाजार में बिकने वाली टॉफी खाने से हुई बच्चे की मौत

सुनील बाजपेई/नवयुग समाचार

कानपुर। गले में टॉफी फंसने से हुई 4 साल के बच्चे की मौत के गम में बेहाल उसकी मां की हालत भीखराब हो चली है वह कल से लेकर आज सोमवार को भी कई बार बेहोश हुई। लगभग यही हाल उसके बुजुर्ग बाबा और दादी का भी है। यह हृदय विदारक घटना यहां बर्रा जरौली

फेस-1 में रहने वाले राहुल कश्यप के 4 साल की बेटे के साथ हुई। उन्होंने अपने 4 साल के बेटे अन्वित के लिए रविवार शाम को मोहल्ले की एक दुकान से फ्रूटोला नाम की किंडरज्वॉय की तरह बाजार में बिकने वाली टॉफी खरीदी थी, जिसे खाते ही टॉफी बच्चे के गले में फंस गई और उसको सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

इसके बाद मां सोनालिका ने पानी पिलाया तो टॉफी गले के और अंदर जाकर फंस गई। इससे सांस लेने में ज्यादा तकलीफ होने पर माता-पिता बच्चे को पास के एक निजी अस्पताल और वहां से दूसरे अस्पताल ले गए। करीब 3 घंटे तक बच्चा तड़पता रहा,लेकिन बच्चे को सही इलाज नहीं मिल सका और उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद उसकी मां की हालत सबसे ज्यादा खराब है और लगभग यही हाल उसके बुजुर्ग बाबा और दादी का भी है। बेटे के वियोग में बेहाल मां सोनालिका तो घटना के बाद से लेकर आज सोमवार को भी कई बार रोते-रोते बेहोश भी हो गई। कोई दूसरी ओर बदरा पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम कराए जाने से इनकार करने पर बच्चों के शव को परिजनों के हवाले करने के साथ ही मामले की जांच भी की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक मनीष कुमार सिंह द्वारा शोभित आफसेट के-450 इंदलोक कॉलोनी, पोस्ट मानसनगर, लखनऊ - 226023 उ.प्र. से मुद्रित कराकर मुकेरिया, महसी, रामगांव, बहराइच से प्रकाशित। आरएनआई/टाइटल कोड-UPHIN49594
संपादक-मनीष कुमार सिंह मो.- +91 9984176988 ई-मेल- navyugsamacharindia@gmail.com उप संपादक-मो. इज़हार वारसी, मो. +91 7081640677, प्रबंध संपादक-संजय कुमार त्रिपाठी, मो.- +91 9044973372, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र बहराइच, उ.प्र. होगा।